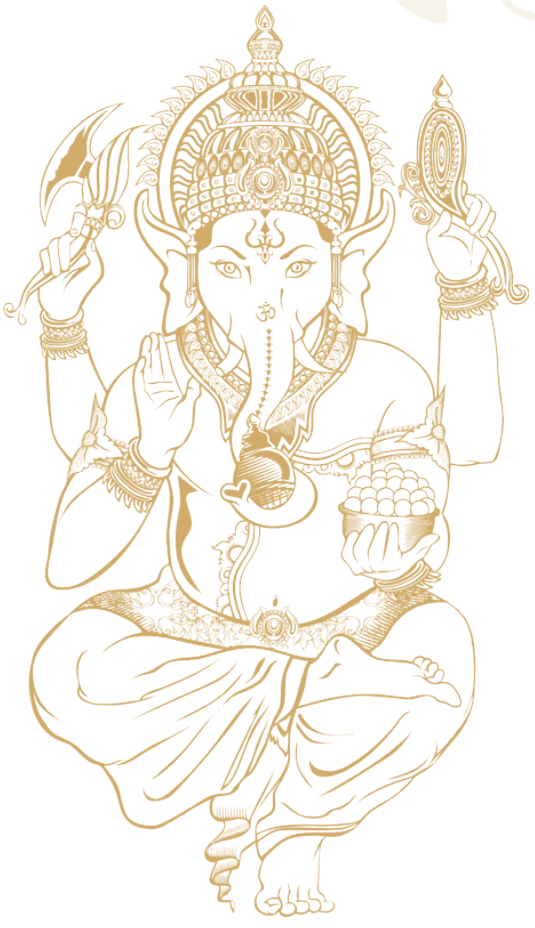

Mr.rahul

Ms. Dhanshri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119636003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/04/1994	जन्म तिथि	18-19/03/2001
सोम-मंगलवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 06:07:00	जन्म समय	05:02:00 घंटे
घटी 59:56:09	जन्म समय(घटी)	56:25:23 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:32	सूर्योदय	06:27:50
18:40:25	सूर्यास्त	18:31:03
23:46:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:10

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 10मा 15दि		19:48:10	मीन	लग्न	कुंभ	03:57:04	सूर्य 5वर्ष 6मा 5दि	
राहु		21:13:22	मीन	सूर्य	मीन	04:33:27	राहु	
19/02/2008		14:09:56	मक	चंद्र	धनु	27:44:48	23/09/2023	
18/02/2026		28:38:15	कुंभ	मंगल	वृश्चि	21:37:11	22/09/2041	
राहु	01/11/2010	28:45:37	कुंभ	बुध	कुंभ	08:17:55	राहु	05/06/2026
गुरु	27/03/2013	18:59:53	तुला व	गुरु	वृष	11:37:07	गुरु	29/10/2028
शनि	01/02/2016	10:11:17	मेष	शुक्र व	मीन	21:49:39	शनि	05/09/2031
बुध	20/08/2018	13:58:27	कुंभ	शनि	वृष	02:40:17	बुध	24/03/2034
केतु	08/09/2019	00:49:53	वृश्चि व	राहु व	मिथु	18:34:54	केतु	12/04/2035
शुक्र	07/09/2022	00:49:53	वृष व	केतु व	धनु	18:34:54	शुक्र	11/04/2038
सूर्य	02/08/2023	02:16:59	मक	हर्ष	मक	29:01:01	सूर्य	06/03/2039
चन्द्र	31/01/2025	29:27:16	धनु	नेप	मक	14:09:45	चन्द्र	04/09/2040
मंगल	18/02/2026	03:57:42	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:24:35	मंगल	22/09/2041

लग्न-चलित

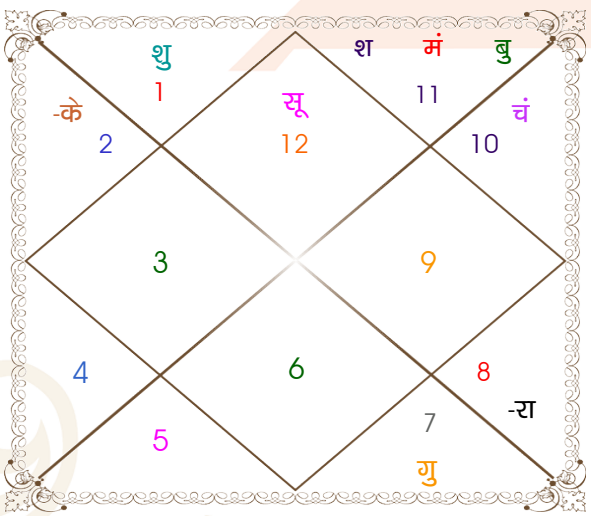

लग्न-चलित

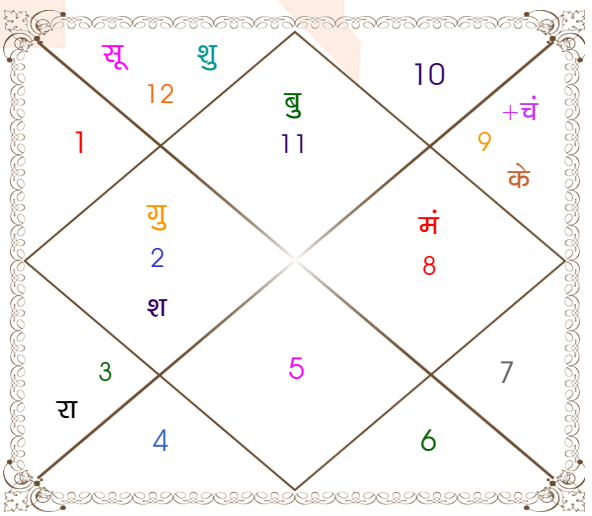

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डतण्तीनस का नक्षत्र श्रवण है।

डतण्तीनस का वर्ग मार्जार है तथा डेण क्वींदीतप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्तीनस और डेण क्वींदीतप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्तीनस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

डेण क्वींदीतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

डतण्तीनस तथा डेण क्वींदीतप में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक एवं अष्टकूट गुण न मिलने के कारण दोनों का मिलान बिल्कुल ठीक नहीं हैं।